झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

परिवार नियोजन कार्यक्रम पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

रांची : दिनांक 16 से 20,मार्च 2015, तक आई0 पी0 एच0 नामकुम के सभागार में परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंर्तगत आर0 एम0 एन0 सी0 एच0 (Reproductive, Maternal, New Born ,Child Health) पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उदघाटन डॉ0 मनोज नारायण लाल, अपर निदेशक सह प्रभारी परिवार नियोजन कोषांग द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला का मुख्य विषय प्रजनन, मातृत्व, नवजात तथा शिशु स्वास्थ्य था।

कार्यशाला का उदघाटन करते हुए उन्होने कहा कि परिवार नियोजन कार्यक्रम भारत सरकार का एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यकम है। इसके सबंध में सभी योग्य दंपति तक जानकारी पहुँचाना तथा उन्हे प्रोत्साहित करना हमारा मुख्य कार्य है। उन्होने कहा कि परिवार नियोजन की विधि अपनाने से माँ तथा बच्चे का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इससे IMR (Infant Mortality Rate) तथा MMR (Maternal Mortality Rate) दोनो को कम किया जा सकता है। प्रतिभागियों को बताया गया ये RMNCH के सभी मुद्दे किस प्रकार एक दुसरे से जुड़े हुए है।

डॉ0 कमलेश लाल चंदानी, वरिष्ठ सलाहकार USAID, Delhi ने बताया कि दो बच्चों में तीन वर्ष का अंतर रखने से मातृ मृत्यु दर को 30 प्रतिशत तथा शिशु मृत्यु दर को 10 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। उनहोने लोगो को परिवार नियोजन के साधनों के संबंध में सही जानकारी देने पर जोर दिया।

डॉ0 अजित प्रसाद, उपनिदेशक सह प्रभारी शिशु स्वास्थ्य कोषांग ने बताया कि माँ का दूध बच्चों के लिए सर्वोत्तम आहार है और माँ का पहला दूध (खिरसा) तो बच्चों के लिए टीका के समान होता है। उन्होने कहा कि छः माह तक बच्चों को केवल माँ का दूध ही पिलाना चाहिए। उपरी आहार छः माह के बाद ही देना शुरू करना चाहिए। इससे बच्चों का प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। टीकाकरण के संबंध में चर्चा करते हुए उन्होने बताया कि बच्चे के जन्म के बाद सभी टीके सही समय अंतराल सें लगवाना बहुत जरूरी है। इससे बच्चों का प्रतिरोधक क्षमता बढ़ता है। उन्होने पेंटावेलैंट टीका के बारें में बताया कि इस एक टीके से पांच बिमारियों से बचाव होता है। इसे हाल ही में राज्य में शुरू किया गया है।

डॉ0 दीपावली, (Assistant Superintendent) जी0 भी0 आई0 ने 4 ANC तथा इसमें उपलब्ध सेवाओं के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी दी। उनहोने बच्चे के जन्म के समय किन किन बातों पर मुख्य रूप से ध्यान देना है उसपर विस्तृत रूप से चर्चा की।

गुंजन खलखो, परिवार नियोजन समन्वयक, द्वारा PPIUCD, IUCD तथा प्रसव उपरांत सात दिनों के अंदर बंध्याकरण के संबंध में बताया। LAM (Lactation Amenorrhoea Method) विधि के संबंध में विस्तृत रूप से प्रतिभागियों कों बताया गया। अंतिम सत्र में परिवार नियोजन के वार्षिक कार्य योजनाओं पर चर्चा किया गया। प्रतिभागी के रूप में पहले से कार्य कर रहे तथा हाल ही में नियुक्त हुए RMNCH के परामर्शीयों ने कार्यशाला में भाग लिया।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग